RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार, 14 दिसंबर 2022 वर्ष 04 अंक 205 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मनपा आयुक्त के खिलाफ एकजुट हुआ विपक्ष

100 पूर्व नगरसेवकों ने मुख्यमंत्री के पास की शिकायत

मनपा के काम काज पर श्वेत पत्रिका निकालने की मांग !

मुंबई : मनपा में सरकार का कार्यकाल 7 मार्च 2022 को खत्म हुआ। सरकार का कार्य काल खत्म होने के बाद से मुंबई मनपा में प्रशासक के रूप में मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल काम काज देख रहे है। पिछले एक साल से मनपा के चल रहे कामकाज को लेकर विपक्षी पार्टियों ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर हस्ताक्षेप करने की गुहार लगाई है।विपक्ष का कहना है कि मनपा आयुक्त टेंडर कर रहे है लेकिन उसकी जानकारी लोगो को उपलब्ध नहीं करा रहे है। मनपा में अधिकारियो और कर्मचारियों की बदली पर भी मनमानी कामकाज होने का आरोप लगाते हुए अधिकारी की चौबीस घंटे के भीतर दूसरी बार बदली हो जाने की जानकारी देते हुए पॉलिसी डिसीजन भी नही किया जा रहा है जिससे मुंबई मनपा को बड़ा नुकसान होने का आरोप लगाया है।

मनपा की विपक्षी पार्टियों के लगभग 100 नगरसेवको ने एक साथ मिलकर देश की सबसे बड़ी महानगर पालिका में किस तरह नियमो को धत्ता बताकर करोड़ों का घोटाला करने और टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता को खत्म करने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में पूर्व महापौर किशोरी पेडेकर सहित पूर्व मनपा विरोधी पक्ष नेता रविराजा पूर्व स्थाई समिति अध्यक्ष रमेश कोरगावकर मनपा सदन की नेता रही विशाखा राऊत सहित रांकपा नेता रखी जाधव सहित समाजवादी पार्टी के नेता रहे और विधायक रईस शेख एव मनसे के नेता और पूर्व नगरसेवक संदीप देशपांडे ने अपनी सहमति जताते हुए शिकायत की है। मनपा के पूर्व नेताओं का मानना है कि मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल मनमानी काम काज कर रहे है।मनपा आयुक्त टेंडर प्रक्रिया में भी पारदर्शिता नहीं ला रहे है ।टेंडर प्रक्रिया की जानकारी लोगो के सम्मुख नही ला रहे है। मुंबई मनपा देश की सबसे बड़ी और धनी महानगर पालिका है ।लेकिन पिछले एक साल से जो काम काज चल रहा है उससे मनपा आयुक्त की मनमानी नजर आ रही है और मनपा को करोड़ों का चूना लगाने का काम किए जाने का आरोप पूर्व नगरसेवको ने लगाया है। पूर्व नगरसेवको का आरोप है कि मनपा में बदली के नाम पर वसूली का धंधा चलाया जा रहा है। चौबीस घंटे में अधिकारियो की बदली की जा रही है जिससे मनपा के छवि को भी नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

भाजपा ने भी मनपा प्रस्ताव की कॉपी ऑन लाइन करने की मांग रखी थी

पूर्व नगरसेवक और विधायक योगेश सागर ने भी मनपा में प्रशासन की नियुक्ति होने पर स्थाई समिति में मंजूर किए जाने वाले प्रस्ताव को मनपा की वेबसाइट पर डालने की गुहार लगाई थी।मनपा आयुक्त को लिखे पत्र में उन्होंने भी मनपा के काम काज में पारदर्शिका लाने के लिए प्रस्ताव की कॉपी ऑन मनपा की वेबसाइट पर डालने की मांग रखी थी।मनपा प्रशासन लगभग एक साल बीत जाने के बावजूद अभी तक प्रस्ताव ऑन लाइन नहीं डाला है।

अंधेरी में चलती बस के आगे कूदा शख्स

हुई मौत, पुलिस ने शुरू की जांच...

मुंबई : मुंबई के अंधेरी इलाके से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक 59 वर्षीय व्यक्ति ने चलती बस के सामने कथित रूप से कूदकर जान दे दी. घटना अंधेरी पश्चिम में हुई। पूरी घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, यह घटना 6 दिसंबर को अंधेरी वेस्ट के डीएन नगर पुलिस स्टेशन के सीमाक्षेत्र में हुई थी। बताया जा रहा है कि बस के पिछले पहिए शख्स के पैरों पर चढ़ गए, जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। मृतक की पहचान अब्दुल गफ्फार इस्माइल सय्यद के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जबकि शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि मृतक सय्यद ने यह चरम कदम किस कारण से उठाया।

पिछले मंगलवार को हुई घटना का वीडियो पुलिस के संज्ञान में आने से पहले ही इंटरनेट पर वायरल हो गया था। वीडियो में सय्यद सड़क किनारे खड़ा दिख रहा है और जैसे ही बस नजदीक आती है वह उसके सामने कूद जाता है। इस दौरान बस के ड्राइवर ने ब्रेक भी लगाई लेकिन शख्स की जान नहीं बचायी जा सकी। पुलिस मृतक के परिवार और परिचितों से पूछताछ कर रही है। वहीं, इस घटना ने इलाके के लोगों को झंकझोर कर रख दिया है।

'मुंबई आकर देसी कट्टे से मार दूंगा...'

शरद पवार को मिली जान से मारने की धमकी!

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार को आज (13 दिसंबर, मंगलवार) जान से मारने की धमकी मिली है. जानकारी के मुताबिक एक अज्ञात शख्स ने पवार के घर सिल्वर ओक पर फोन कर पवार को मारने की धमकी दी और कहा कि वो मुंबई आकार देसी कट्टे से उन्हें जान से मार देगा. सूत्रों ने बताया की फोन करने वाले शख्स ने हिंदी में धमकी दी. शरद पवार के बंगले पर पोस्टेड पुलिस ऑपरेटर की शिकायत पर गामदेवी पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है. कल ही एनसीपी प्रमुख पवार का जन्म दिन था और आज जान से मारने की धमकी मिलने से खलबली मच गई है. पुलिस ने मामले को काफी गंभीरता से लिया है. धमकी भरा फोन करने वाले शख्स की की पहचान भी हो गई है. धमकी देने वाला शख्स बिहार का रहने वाला है.

देसी कट्टे से जान से मारने की धमकी, लेकिन धमकी की वजह सामने नहीं आई

पुलिस द्वारा दी गई जानकारियों के मुताबिक शरद पवार को धमकी देने वाला शख्स हिंदी में बात कर रहा था. वह कह रहा था कि देशी कट्टे से

वह उन्हें जान से मार देगा. लेकिन जान से मारने की धमकी देने की वजह सामने नहीं आई है. फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 294, 506(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है. हाल ही में राजस्थान के नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल को भी जान से मारने की धमकी मिली थी. उन्हें यह धमकी लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से दी गई थी. बाद में पुलिस ने धमकी देने वाले को गिरफ्तार कर लिया था.

धमकी देने वाले की हुई पहचान, धमकी देने वाला है बिहार का रहने वाला

धमकी देने वाले शख्स का लोकेशन ट्रेस किया गया है. संबंधित शख्स बिहार का रहने वाला बताया जा रहा है. धमकी देने वाले शख्स का नाम नारायण सोनी बताया जा रहा है. फोन नंबर से लोकेशन ट्रेस कर पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए निकल चुकी है. दूसरी तरफ शरद पवार के कार्यालय से मिली जानकारियों के मुताबिक कॉल करने वाला शख्स मानसिक रूप से बीमार है. यह पहले भी एक बार इस तरह की धमकी दे चुका है. पुलिस ने तब उसे हिरासत में भी लिया था.

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

घृणा की राजनीति...!

राजनीतिक विमर्श में भाषा की मयार्दा का उल्लंघन किस तरह आम हो गया है, इसका ताजा उदाहरण है मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेता राजा पटेरिया का यह बयान कि मोदी की हत्या के लिए तत्पर रहो। उन्होंने उन कारणों का उल्लेख भी किया कि जिनके चलते ऐसा करना आवश्यक है। उन्होंने एक तो यह कहा कि मोदी चुनाव खत्म कर देंगे और दूसरे यह भी कि वह मजहब, जाति, भाषा के आधार पर देश को बांट देंगे। वह इस नतीजे पर भी पहुंचे कि दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के साथ संविधान भी खतरे में है। हालांकि उन्होंने यह साफ किया कि प्रधानमंत्री की हत्या करने से उनका मतलब उन्हें हराने से है, लेकिन किसी के लिए भी समझना कठिन है कि आखिर हत्या करने को हराने के समतुल्य कैसे कहा जा सकता है?

क्या किसी की हत्या की बात करने और राजनीतिक रूप से पराजित करने में कोई अंतर नहीं? चिंता की बात केवल यह नहीं कि राजा पटेरिया ने सार्वजनिक रूप से ऐसा आपत्तिजनक बयान दिया, बल्कि यह भी है कि उनके इस कथन पर कांग्रेस कार्यकताओं ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्द्धन भी किया। कहना कठिन है कि राजा पटेरिया के खिलाफ क्या कार्रवाई होगी, लेकिन यह समझने की आवश्यकता है कि उन्होंने जो कुछ कहा, वह कहां से उपजा है? यह उपजा है उस राजनीति से जिसमें शालीनता और भाषा की मयार्दा के लिए स्थान सीमित होता जा रहा है। यह उस मानसिकता की भी उपज है, जिसमें राजनीतिक विरोधियों को शत्रु के रूप में देखा जाता है। राजनीतिक विरोधियों को शत्रु के रूप में देखने और चित्रित करने की मानसिकता द्वेष एवं घृणा की राजनीति का परिचायक है। इस राजनीति को बल तब मिलता है, जब उसका परिचय प्रमुख नेता देते हैं। कांग्रेस के पूर्व विधायक एवं मंत्री राजा पटेरिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए जैसे शब्दों का प्रयोग किया, वैसे शब्दों का इस्तेमाल कांग्रेस के कुछ बड़े नेता भिन्न तरीके से करते रहे हैं।

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी न जाने कब से यह कहते चले आ रहे हैं कि मोदी सरकार न केवल संविधान के खिलाफ काम कर रही है, बल्कि उसे नष्ट करने पर तुली है। इन दोनों नेताओं की ओर से ऐसे आरोप भी खूब उछाले गए हैं कि मोदी सरकार दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को दबाने-कुचलने का काम कर रही है। यह भी किसी से छिपा नहीं कि राहुल गांधी किस तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपमानजनक तरीके से संबोधित करते रहे हैं। उन्हें तो यह शिकायत भी रही है कि अन्य कांग्रेसी नेताओं ने उनकी तरह से प्रधानमंत्री को 'चौकीदार चोर है' क्यों नहीं कहा? जब शीर्ष स्तर पर यह सोच हो तो फिर राजा पटेरिया जैसे नेताओं की मानसिकता और भाषा दूषित हो जाना हैरानी की बात नहीं।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

जलगांव में सड़क जाम कर महाराष्ट्र के राज्यपाल और मंत्री चंद्रकांत पाटिल के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन...!

जलगांव : राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और बीजेपी मंत्री चंद्रकांत पाटिल द्वारा महापुरुषों की अपमानजनक और बेतुकी बयानबाजी के विरोध में शहर के विभिन्न संगठनों ने बंबौरी सहित हाइवे पर दो बार 10 मिनट के लिए सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने तुरंत प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। उन्हें एक तरफ ले जाकर यातायात शुरू किया लेकिन कई बार प्रदर्शनकारी फिर से सड़कों पर आ गए। जिसके चलते पुलिस और प्रदर्शनकारीयो में मौखिक रूप से झड़पें हुई। आखिर में पुलिस ने कार्यकताओं को हिरासत में लेकर तालुका पुलिस स्टेशन ले गई। दोपहर तक उन्हें वहीं रखा गया।

सड़क महामार्ग रोको आंदोलन में लोक संघर्ष मोर्चा, बहुजन जनक्रांति मोर्चा, जिजाऊ ब्रिगेड, मराठा क्रांति मोर्चा, छावा, शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, अखिल भारतीय पारधी महासंघ, भारत मुक्ति मोर्चा, रिपब्लिकन फादर सहित अन्य संगठनों ने भाग लिया। इस दौरान महामार्ग पर विभिन्न संगठनों के कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी कर कहा कि मंत्री चंद्रकांत पाटिल हाय हाय, कोश्यारी की चालाकी नहीं चलेगी, सरकार हमसे डरती है, पुलिस को उग्र करती है की घोषणा इस समय दी गई। प्रदर्शनकारियों ने देवेंद्र फडणवीस और शिंदे सरकार का भी विरोध किया और नारेबाजी की। इस विरोध प्रदर्शन में लोक संघर्ष मोर्चा की अध्यक्ष प्रतिभा शिंदे, बहुजन जनक्रांति मोर्चा के मुकुंद सपकाले को पुलिस ने सड़क जाम करने से पहले उनके आवास से हिरासत में ले लिया। शिंदे के वाहन को उस समय रोका गया जब वह शिवराम नगर स्थित अपने आवास से निकल रहे थे। इस स्थान पर कार्यकताओं की भारी भीड़ जमा होने पर दोनों नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया और कार्यकताओं को पुलिस स्टेशन से बाहर ले जाया गया। इस मौके पर प्रतिभा शिरसाट, दिलीप सपकाले, अमोल कोल्हे, मंगला पाटिल, सचिन सोमवंशी, निवेदिता ताधे आदि मौजूद रहे।

स्याही फेकने वाले मामले में निलंबित 11 पुलिसकर्मियों का निलंबन वापस?

मुंबई : राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल के ऊपर स्याही फेकने वाले मामले में निलंबित 11 पुलिसकर्मियों का निलंबन के साथ -साथ आरोपियों पर लगाए गए धारा 307 को वापस ले लिया गया है. सूत्रों से ऐसी जानकारी मिली है.पाटिल पर स्याही फेंकने मामले में गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पुलिस विभाग को निलंबित 11 पुलिस कर्मियों का निलंबन और आरोपियों पर लगे धारा 307 को वापस लेने का आदेश दिया है. चंद्रकांत पाटिल पर स्याही फेंकने वाले आरोपी पर हत्या के प्रयास के आरोप में धारा 307 के तहत मामला दर्ज किया गया था। साथ ही 11 पुलिस कर्मियों-अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया था.राज्य सरकार के कदम पर विपक्ष ने सरकार की जमकर आलोचना की थी इसके साथ -साथ आरोपियों पर लगाए गए धारा 307 को रद्द करने की मांग की थी.

गोरेगांव सिद्धार्थ नगर में नही भरेगा पानी...

मनपा 26 करोड़ 44 लाख खर्च कर उपलब्ध कराएगी मूलभूत सुविधा

मुंबई : मनपा प्रशासन ने बेस्ट कालोनी रोड और सिद्धार्थ नगर क्रमांक 2 और 5 एच एस रूपवते रोड के बीच पुरानी जल निकासी की पाइप लाइन का बदलाव करने का निर्णय लिया है। मनपा इन कार्यों को पूरा करने के लिए कुल 26 करोड़ 44 लाख रुपया करने का निर्णय लिया है। मुंबई के शहर और उपनगर में बारिश की पानी निकासी के लिए बिछाई गई पाइप लाइन पूरी तरह खराब हो गई ।इन पाइप लाइनों में पानी बहाने की क्षमता भी बढ़ाने की जरूरत पड़ गई है। पाइप लाइन की क्षमता बढ़ाने की जरूरत इस लिए जरूरी हो गई है क्योंकि मुंबई में होने वाली बारिश अब कुछ घंटों में ही एक साथ पूरी हो जाती है ।जिससे बारिश की पानी निकलना मुश्किल हो जाता है। पिछले कुछ सालो से गोरेगांव परिसर में होने वाले जल। जमाव को लेकर नगरसेवक भी मनपा सदन में अपनी बात रखते थे और पुरानी पाइप बदलने की गुहार लगाते रहते थे ।मनपा प्रशासन ने इसी के चलते गोरेगांव बेस्ट कॉलोनी रोड से लेकर सिद्धार्थ नगर रोड कर्मांक 2 व 5 एच एस रूपावते मार्ग तक की पुरानी पाइप लाइन को बदलने का निर्णय लिया है। मनपा प्रशासन इस परिसर की बारिश के पानी की पुरानी पाइप लाइनों को बदलने और उनकी क्षमता बढ़ाने का निर्णय लिया है। मनपा प्रशासन की माने तो लगभग 27 करोड़ के इस काम को मई तक पूरा कर लिया जाएगा जिससे आगामी बारिश में गोरेगांव के लोगो को जल जमाव की समस्या से निजात मिलेगी। जिसका लाभ गोरेगांव परिसर में रहने वाले लाखो नागरिकों को फायदा मिलेगा।

महामोर्चा को लेकर मुंबई राकांपा की बैठक

आंदोलन में मुंबई राकांपा की तरफ से 20 हजार कार्यकर्ता होंगे शामिल

मुंबई : छत्रपति शिवाजी महाराज सहित अन्य महापुरुषों की गई टिप्पणी और अन्य मुद्दे को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ 17 दिसंबर को एमवीए ने महाराष्ट्र विरोधी आंदोलन निकालेगी। इसी कड़ी में आंदोलन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को राकांपा प्रदेश कार्यालय में मुंबई राकांपा की बैठक आयोजित की गई.मोर्चे में मुंबई राकांपा की तरफ से करीब 20 हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे ऐसी रणनीति बनाई गई है.महामोर्चा को लेकर मुंबई राकांपा की आयोजित बैठक में मुंबई राकांपा के कार्याध्यक्ष नरेंद्र राणे,राखी जाधव के अलावा राकांपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता नरेंद्र वर्मा प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता महेश तपासे प्रवक्ता संजय तटकरे सहित मुंबई के सभी पदाधिकारी और जिला और तालुका अध्यक्ष उपस्थित थे.राज्य की शिंदे और फडणवीस सरकार के खिलाफ महाविकास आघाडी ने 17 दिसंबर को रानीबाग से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल तक आंदोलन निकालने की घोषणा की है इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए आघाडी में शामिल तीनों पार्टियां शिवसेना -कांग्रेस और राकांपा अपने -अपने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओ के साथ अलग -अलग बैठक कर रही है जिसमे तीनो पार्टिया अधिक से अधिक कार्यकर्ताओ को आंदोलन में शामिल होने के लिए आव्हान कर रही है.इसी कड़ी में मुंबई राकांपा के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई थी.

मुंबई में सांस लेना हो जाएगा दूभर...

आने वाली सर्दियां लाएंगी गंभीर वायु प्रदुषण, विशेषज्ञों ने दी चेतावनी

मुंबईः मुंबई की हवा आने वाले दिनों में बिगड़ सकती है, विशेषज्ञों ने ऐसी चिंता जताई है। सिस्टम ऑफ एयर क्वॉलिटी वेदर फोरकास्टिंग ऐंड रिसर्च (सफर) के संस्थापक और योजना निदेशक डॉ.गुफरान बेग ने कहा कि इसमें कोई शंका नहीं है कि नवंबर और दिसंबर में मुंबई और पश्चिमी भारत के अन्य हिस्सों में वायु प्रदूषण आसाधारण रूप से अधिक रहता है। मुंबई इस समय गंभीर प्रदूषण के घटनाक्रम से गुजर रहा है। तीनों ओर समुद्र से घिरे होने की वजह से मुंबई में वायु प्रदूषकों के प्रसार में मदद मिलती है, लेकिन इसके बावजूद इस बार खराब वायु गुणवत्ता लंबे समय तक था। पर्यावरण विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सर्दियों के महीनों के दौरान आने वाले वर्षों में शहर की हवा और ज्यादा खराब हो सकती है। वातावरण फाउंडेशन के संस्थापक भगवान केसभट ने कहा कि मुंबई के निवासियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए महाराष्ट्र राज्य सरकार और स्थानीय प्राधिकरण को मुंबई का ग्रेडेड रिस्पांस ऐक्शन प्लान तैयार करने की जरूरत है।

प्रदूषण कम करने के उपाय

ग्रैप एक आपातकालीन उपायों की एक सूची है, जिसका उपयोग तब किया जाता है, जब शहर के हवा की गुणवत्ता एक निश्चित चौखट में होती

है। साथ ही, मुंबईकरों के स्वास्थ्य की रक्षा को ध्यान में रखते हुए तुरंत स्वास्थ्य सलाह जारी करने की भी जरूरत है। निर्माण क्षेत्र, परिवहन क्षेत्र में अनियंत्रित तरीके से बढ़ते निजी वाहन और उद्योग उत्सर्जन सभी सख्त मानकों और सटीक प्रणाली का पालन करने की जरूरत है। इसके अतिरिक्त, ठाणे, नवी मुंबई, कल्याण, डोंबिवली और मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के अन्य इलाकों को वायु प्रदूषण कम करने की स्थानीय रणनीति में शामिल करना चाहिए।

मुंबई में प्रदूषण का हाल

मुंबई में दिसंबर के पहले 10 दिनों में से 4 दिन 'बेहद खराब' श्रेणी में रहे। हालांकि, अच्छी बात यह है कि आने वाले दिनों में चक्रवात मैंडूस के बाद शहर के वायु प्रदूषण में कमी आने की संभावना है और मुंबई में हवा की गति बढ़ने की उम्मीद है। मलाड, चेंबूर और मझगांव के उपनगर 1 नवंबर से 10 दिसंबर के बीच मुंबई के तीन सबसे प्रदूषित क्षेत्र थे जबकि बोरीवली, नवी मुंबई और वर्ली में इस अवधि के दौरान सबसे स्वच्छ हवा थी।

पिछले 40 दिनों के दौरान, 1 नवंबर से 10 दिसंबर के बीच, मुंबई में हवा की गुणवत्ता के लिए 22 दिन 'खराब' और 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किए गए। इन 22 दिनों में, 4 दिनों (5, 6, 7 और 8 दिसंबर) के दौरान मुंबई में समग्र वायु गुणवत्ता ''बहुत खराब'' श्रेणी में रही। जबकि, 2021 में (1 नवंबर से 10 दिसंबर की इसी अवधि के दौरान) खराब दिनों की संख्या कुल 6 हो गई, जबकि बहुत खराब वायु गुणवत्ता वाले दिन नहीं थे। इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के शोध निदेशक और सहायक एसोसिएट प्रोफेसर अंजल प्रकाश ने कहा, 'मुंबई की वायु गुणवत्ता अस्वास्थ्यकर स्तर तक गिर गई है, जो इसके नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए बहुत ही चिंताजनक है।'

काफी मुश्किलों भरा रहा ऋतिक रोशन का बचपन?

बोले-अपनी हालत पर रोता रहता था

अभिनेता ऋतिक रोशन के दीवानों की कमी नहीं है। अभिनय, लुक, डांस से लेकर हर उनका हर अंदाज फैंस को पसंद आता है। ऋतिक बॉलीवुड घराने से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता राकेश रोशन खुद एक्टर और डायरेक्टर हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि स्टारकिड होने के चलते ऋतिक को ज्यादा मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ा होगा। लेकिन, ऋतिक रोशन का कहना है कि अपनी निजी जिंदगी में उन्होंने काफी दिक्कतें झेली हैं। खासकर उनका बचपन काफी मुश्किलों भरा था। उनमें आत्मविश्वास की बेहद कमी रही। इसकी वजह थी एक्टर की शारीरिक-मानसिक सेहत। खुद ऋतिक ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान इस बारे में बातें साझा की हैं।

एक मीडिया बातचीत के दौरान ऋतिक ने कहा कि बचपन में उन्हें खुद पर भरोसा नहीं था। वह कई मानसिक और शारीरिक समस्याओं से जूझे हैं। ऋतिक ने अपने ट्रॉमेटिक बचपन के बारे में बात करते हुए बताया कि उनका बचपन कुछ खास नहीं बीता है। ऋतिक को बचपन में कई तरह की समस्याओं ने घेर लिया था। ऋतिक ने उस दौर को दर्दनाक कहा। ऋतिक का कहना है, 'मैं बचपन में हकलाता था, जिसकी वजह से स्कूल के बच्चे काफी चिढ़ाया करते थे। मैं खुद पर भरोसा खो बैठा था।' ऋतिक का कहना है कि इसकी वजह से उनका कोई दोस्त नहीं था, गर्लफ्रेंड तो दूर की बात है।

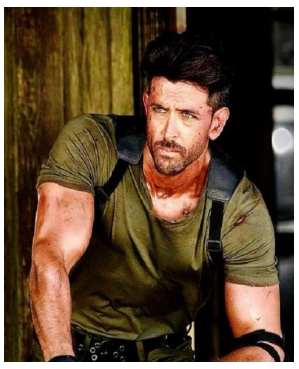

बातचीत के दौरान ऋतिक रोशन ने कहा कि उनका बचपन कई दिक्कतों के बीच बीता है। वह अक्सर घर आकर रोते रहते थे। ऋतिक ने बताया कि वो दिन उनकी जिंदगी के सबसे मुश्किल दिन थे। आगे बात करते हुए एक्टर ने बताया कि इससे भी ज्यादा बुरा ये था कि डॉक्टर्स ने उन्हें डांस करने से मना कर दिया था। डॉक्टर्स ने ये तक कहा था कि 'आप एक्टर नहीं बन सकते हो। कभी डांस नहीं कर सकते।' दरअसल, ऋतिक को रीढ़ की हड्डी की भी दिक्कते हैं। उन दिनों को याद करते हुए ऋतिक ने बताया कि 'उससे बुरा कुछ नहीं था। कई महीनों तक मैं ऐसा ही था, लेकिन फिर किसी तरह इन सब बेकार की सोच से बाहर आया। दिन बीतने के साथ और मजबूत बना। मुझे एक्टर बनना था, इसलिए मैंने अपने मेंटल और फिजिकल हेल्थ पर काम किया।' आखिरकार कड़ी मेहनत और लगन के दम पर ऋतिक ने अपना सपना सच कर दिखाया। आज वह एक सफल एक्टर हैं। उनके फैंस सिर्फ देश ही नहीं, दुनियाभर में हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो ऋतिक बीते दिनों सैफ अली खान के साथ 'विक्रम वेधा' में नजर आए। इन दिनों वह सिद्धार्थ आनंद की फिल्म 'फाइटर' में बिजी हैं।

भारत लौटीं प्रीति जिंटा ने मुंबई में की जमकर मस्ती, बेस्ट फ्रेंड सुजैन खान संग चिल करती आईं नजर

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा हाल में भारत लौट आई हैं. इंडिया लौटते ही एक्ट्रेस ने मुंबई की हवाओं में पहला वीकएंड एंजॉय किया. यहां एक्ट्रेस अपने क्लोज फ्रेंड्स इंटीरियर डिजाइनर सुजैन खान और उनके बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी के साथ चिल करती नजर आ रही हैं. प्रीति ने दोस्तों के साथ अपनी मजेदार गेटअवे ट्रिप की एक झलक पोस्ट की और बाद में लौटने पर गेटवे ऑफ इंडिया के सामने पोज भी दिया.

इंस्टाग्राम पर शेयर की गईं क्लिप में प्रीति दोस्तों के साथ नाव पर सर्दियों की धूप सेंकती नजर आ रही हैं. उन्होंने हॉल्टर नेक ड्रेस पहनी थी,

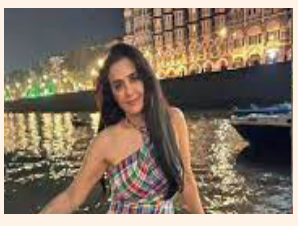

जिसे सन हैट और ब्लैक गॉगल के साथ पेयर किया गया था. तस्वीरों में डिंपल गर्ल प्रीति सुजैन खान के साथ मस्ती करती दिख रही हैं. बॉलीवुड की बेस्ट फ्रेंड्स प्रीति और सुजैन बेहद खूबसूरत लग रही हैं. एक फोटो में ग्लैमरस एक्ट्रेस करिश्मा कपूर भी प्रीति, सुजैन और अर्सलान के साथ भी नजर आ रही हैं.

सिद्धिविनायक मंदिर गई थीं एक्ट्रेस...

प्रीति जिंटा पिछले हफ्ते ही मुंबई लौटी हैं इसके बाद एक्ट्रेस सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन के लिए गई थीं. यहां से एक्ट्रेस ने मंदिर जाने का वीडियो शेयर किया था. वीर-जारा एक्ट्रेस ने मंदिर में पूजा भी की थी. वीडियो शेयकर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, ''मुंबई में वापस ...वापस सिद्धिविनायक मंदिर में...वाह! वहां की आरती में शामिल होना और एक लंबी उड़ान के बाद शांति महसूस करना. हमें इस तरह के अद्भुत दर्शन कराने के लिए मंदिर में सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद. दिल और आत्मा दोनो को शांति मिल गई.''

मुंबई से प्रेमी को बुलाकर हो गई फरार... वाराणसी से बरामद

इंस्टाग्राम पर युवक से हुई दोस्ती,

बिहार : बिहार के दरभंगा स्थित लहेरियासराय थानाक्षेत्र से पिछले दिनों अपहृत एक लड़की को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी से प्रेमी के साथ बरामद किया है। दरभंगा आने पर पुलिस ने दोनों से पूछताछ की। इसके बाद जो बातें सामने आई उससे सभी हैरत में पड़ गए। लड़की ने बताया कि इंस्टाग्राम पर मुंबई में काम कर रहे वाराणसी जिले के सिंधोरा थानाक्षेत्र के गजेंद्रा मंगाडी मोहल्ले के अजित रायसे उसकी दोस्ती हुई। इसके बाद यह दोस्ती प्रेम में बदल गया। दोनों एक साथ जीने-मरने की बात करने लगे।

एक साल से चल रहा था प्रेम प्रसंग

एक साल से जारी प्यार-मुहब्बत से लड़की के घरवाले अनजान रहे। इस बीच एक सप्ताह पूर्व उसने शादी करने का प्लान बनाकर अजित को सारी जानकारी दी। इसके बाद अजित मुंबई से दरभंगा आया। लड़की से मुलाकात हुई। फिर दोनों यहां से भागकर वाराणसी चले गए। जहां दोनों ने शादी कर साथ रहने लगे। इधर, पूरी घटना से अनभिज्ञ लड़की के स्वजनों ने खोजबीन करने के बाद लहेरियासराय थाने में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई। किसी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं होने से पुलिस के लिए भी लड़की को खोजना मुश्किलों से भरा था।

मोबाइल नंबर का लोकेशन ट्रेस कर पुलिस ने ढूंढा

ऐसी स्थिति में तकनीकी सेल से मदद ली गई। पता चला कि लड़की जिस नंबर पर बात करती थी उसका वर्तमान लोकेशन वाराणसी है। इसके बाद थानाध्यक्ष कुमार कीर्ति के नेतृत्व में एक टीम वाराणासी जाकर छापेमारी की। जहां से लड़की को बरामद कर मोबाइल धारक अजित को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि लड़की को न्यायालय में प्रस्तुत कर 164 का बयान दर्ज कराने की तैयारी शुरू कर दी है। तत्काल युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आपस में ही भिड़ गए एकनाथ शिंदे ग्रुप के 2 गुट

जमकर होने लगी मारपीट

मुंबई: महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे गुट में आपसी भिड़ंत की खबर सामने आई है. मुंबई से सटे ठाणे में एकनाथ शिंदे ग्रुप के दो गुट आपस मे भिड़ गए और देखते ही देखते जमकर मारपीट हो गई. बताया जा रहा है कि यह घटना ठाणे के उल्हासनगर इलाके की है, जहां एकनाथ शिंदे ग्रुप के ही दो गुटों में आपसी विवाद की वजह से जोरदार मारपीट हुई.

जानकारी के मुताबिक, एक गुट उल्हासनगर इलाके में चल रहे रोड कंस्ट्रक्शन के काम की निगरानी कर रहा था, तभी दूसरे गुट ने उस पर हमला कर दिया और देखते ही देखते जमकर मारपीट होने लगी. इस झड़प में कुछ लोगों के घायल होने की खबर है. फिलहाल, इस मामले में पुलिस की एंट्री हो गई है और ठाणे पुलिस मामले की जांच में जुट चुकी है. फिलहाल, झगड़े की असली वजह की जानकारी सामने नहीं आई है.

बता दें कि यह अपने आप में अनोखा मामला है, जहां शिंदे गुट के ही दो समूह आपस में भिड़े हैं. इससे पहले महाराष्ट्र में उद्धव गुट और शिंदे गुट में झड़प की खबरें आती थीं. कुछ समय पहले भी ठाणे में एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे शिवसेना के गुटों के बीच झड़प की घटना हुई थी, जिसके बाद महाराष्ट्र पुलिस ने लाठीचार्ज किया था.

मंदिर के बॉक्स में शराब छुपाकर पुलिस को चकमा देती थी महिला...!

महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच में जुटी है

मुंबई : महाराष्ट्र के जिले वर्धा में शराबबंदी के बावजूद बड़ी मात्रा में शराब की बिक्री हो रही है. लोगों ने शराब को धड़ल्ले से बेचने के लिए कई तरकीबें खोज निकाली हैं. वर्धा जिले में अवैध तरीके से शराब की बिक्री होने की कई बार जानकारी मिलने के बावजूद छापेमारी में पुलिस को कुछ खास नहीं मिलता था. जिले की एक महिला मंदिर के पास इसे धड़ल्ले से चलाती आ रही थी. दरअसल पुलिस को जानकारी मिली थी कि एक महिला मंदिर के नीचे बनाए गए बॉक्स में शराब की बोतलें छुपाती थी ताकि अगर पुलिस छापेमारी करे तो उन्हें कुछ न मिले.

बीते दिनों गोपनीय सूत्रों से पुलिस को जानकारी मिली कि महिला मंदिर के बॉक्स के नीचे शराब छुपाकर उसकी बिक्री करती है. जानकारी मिलते ही पुलिस ने छापेमारी की और बॉक्स के अंदर से बड़ी मात्रा में शराब बरामद की. पुलिस इसी इलाके में कई बार छापेमारी कर चुकी थी लेकिन उसे कुछ खास हाथ नहीं लग पाता था. किसी भी पुलिसकर्मी ने नहीं सोचा था कि कोई मंदिर के बॉक्स में भी शराब को छुपाकर बेच सकता है.

अब बरामदगी होने के बाद पुलिस महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच में जुटी है. पुलिस को संदेह है कि ऐसे ही कई तरीकों का इस्तेमाल कर लोग अवैध शराब की तस्करी और उसे बेचने के धंधे में शामिल हैं. आपको बता दें कि महाराष्ट्र द्वारा महात्मा गांधी के ऐतिहासिक आश्रम के कारण वर्धा में शराब के उत्पादन, बिक्री और वितरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लगभग पांच दशक बाद भी शराबबंदी पर कुछ खास असर नहीं पड़ा है.

चार साल पहले तोड़े गए ब्रिज को बनाने का मिला मुहूर्त...

मुंबई : चर्नी रोड पूर्व में चार साल पहले तोड़े गए ब्रिज को बनाने का अब मुहूर्त मिल गया है। मनपा ने चार साल पहले तोड़े गए पादचारी ब्रिज के स्थान पर नया ब्रिज बनाने को लेकर ठेकेदार नियुक्त कर लिया है। ब्रिज के बंद होने से स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था । मनपा ब्रिज विभाग ने पादचारी ब्रिज बनाने को लेकर नियुक्त किए गए ठेकेदार की अनुमति लेने का प्रस्ताव मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल के पास भेजा है। मनपा आयुक्त से प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद ब्रिज के निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इस ब्रिज के निर्माण पर मनपा साढ़े तीन करोड़ रुपये खर्च करेगी। पादचारी ब्रिज के निर्माण में लगभग एक साल का समय लग सकता है। चर्नी रोड पूर्व में केरेवाडी गली से महिषी कर्वे मार्ग तक बना पादचारी ब्रिज को चार साल पहले जर्जर हो जाने पर तोड़ दिया गया था।

कानपुर में आधी रात बमबाजी-फायरिंग...

मुंबई से आए हीरा कारीगर से गुंडों ने मांगी 2 लाख रंगदारी, नहीं देने पर किया हमला

कानपुर : कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र का सफीपुर में सोमवार-मंगलवार की आधी रात बमबाजी और हवाई फायरिंग हुई। गुंडे रंगदारी नहीं देने पर एक परिवार पर कहर बनकर टूट पड़े। परिवार के लोगों को पीटा, हवाई फायरिंग और बमबाजी करने के साथ ही जमकर पथराव किया। इससे पीड़ित परिवार ही नहीं पूरा इलाका दहशत में है। दबंगों की हवाई फायरिंग, गाली-गलौज और पथराव का वीडियो सामने आया। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

भाई की शादी में आए हीरा कारीगर से मांगे 2 लाख गुंडा टैक्स

सफीपुर चकेरी निवासी शिवा निषाद ने बताया कि वह मुंबई की एक बड़ी कंपनी में हीरा कारीगर

हैं। भाई के शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर आए हैं। आरोप है कि इलाके के गुंडे और अळ्ट हैकर संजय केसरवानी, साहिल ठाकुर, गोलू चंदेल का गैंग 2 लाख रुपए का गुंडा टैक्स मांगा है। कहा कि अगर गुंडा टैक्स नहीं दिया तो पूरे परिवार को अंजाम भुगतना पड़ेगा। इसका विरोध करने पर दबंगों ने सोमवार रात को घर पर हमला बोल दिया।

दबंग मोहल्ले में गाली-गलौज करते हुए घुसे। जमकर पथराव और गाली-गलौज शुरू कर दिया। इसके बाद ताबड़तोड़ बमबाजी की। हवाई फायर झोंके। इससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सूचना देने के बाद भी चकेरी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। इसके बाद इलाके के लोगों ने दबंगों के गुंडई और हवाई फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर पुलिस से शिकायत की। तब जाकर चकेरी पुलिस हरकत में आई। चकेरी थाना प्रभारी अंजन सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज कर ली जा रही है। आरोपियों को पकड़ने के लिए कई टीमें लगा दी गई हैं। जल्द ही अरेस्टिंग करके जेल भेजा जाएगा।

46000 बेघरों को आसरा देगी मुंबई मनपा ...

मुंबई : सड़कों, फुटपाथों, रेलवे स्टेशनों सहित अन्य स्थानों पर रह कर गुजर-बसर करनेवाले बेघर लोगों को मनपा जल्द आसियाना उपलब्ध कराएगी। मनपा ने सर्वे में ऐसे 46725 लोगों की पहचान की है जिन्हें शेल्टर होम में रखने की योजना है। इसमें पुरुष, महिला और बच्चे शामिल हैं। मनपा के एक अधिकारी ने बताया कि सर्वे का काम पूरा हो गया है जल्द ही इसे मंजूरी के लिए आयुक्त के पास प्रस्ताव भेजा जाएगा।

मंजूरी मिलने के बाद ऐसे लोगों को शेल्टर होम में शिफ्ट कर दिया जाएगा। मनपा का कहना है कि बेघर लोगों को शेल्टर होम में तत्काल पहुंचाने व आश्रय देने के साथ उन्हें स्वावलंबी बनाया जाएगा। जिससे वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें। मनपा अधिकारी ने बताया कि मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों में बने 16 शेल्टर होम में

457 लोगों को रखा गया है। इसी तरह 11 शेल्टर होम में 18 वर्ष से काम उम्र के 631 बच्चों को रखा गया है। अधिकारी ने बताया कि चांदिवली, दहिसर, अंधेरी और गोवंडी में नए शेल्टर होम बनाए जाएंगे। साथ ही अन्य 11 स्थानों पर शेल्टर होम के लिए प्लॉट चिन्हित किये गए हैं।

माहुल स्थित म्हाडा परिसर के डी सेक्टर की इमारतों में 224 रूम बेघरों के लिए उपलब्ध होगा, जहां 1500 लोगों के रहने की व्यवस्था होगी। शेल्टर होम में रहने वालों का वहीं कौशल्य विकास किया जाएगा। वहीं शिविर लगा कर उनका पेन कार्ड व आधार कार्ड जैसा पहचान पत्र भी बनाया जाएगा। हर साल बरसात के समय 1 जून से 31 अक्टूबर के बीच बिना घर के रहने वालों के लिए मुंबई में अतिरिक्त शेल्टर होम बनाए जाते हैं। मनपा अधिकारी ने बताया कि सर्वे करते समय सभी बेघर लोगों की पहचान ऑनलाइन रजिस्टर की गई है। उनके परिवार में कितनी महिला, पुरुष और बच्चे हैं इसका अलग-अलग डेटा तैयार किया गया है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com